UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. MUSIC (VOCAL) 1st YEAR ASSIGNMENT
एम0ए0 संगीत(गायन) प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15 May 2013 **जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013**

Course Title : Sangeet Avam Saundaryashastra **Course Code : M.A.M.V.-01**

कोर्स शीर्षक : संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र **कोर्स कोड : एम0ए0एम0वी0–01**

Year : 2012-13 **Maximum Marks : 40**

सत्र : 2012–13 **अधिकतम अंक : 40**

❖ खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

खण्ड़ – क

1. सौन्दर्य संबंधी विभिन्न मतों पर प्रकाश डालिए।
2. भारतीय वाद्यों की उत्पत्ति, विकास व उपयोगिता पर चर्चा कीजिए।
3. ध्वनि की उत्पत्ति एवं विज्ञान को समझाइए।
4. ध्वनि के विविध रूपों का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
5. काकु को समझाते हुए उसके प्रकारों का भी वर्णन कीजिए।
6. ताल, लय व लयकारी की व्याख्या कीजिए।
7. पाश्चात्य संगीत की मात्राओं व टाइम सिग्नेचर पर टिप्पणी लिखिए।
8. ध्रुपद, धमार, ख्याल व ठुमरी गायन शैलियों में से किन्हीं दो को विस्तार से समझाइये।

❖ खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – ख

1. सौन्दर्य के आवश्यक तत्वों को विस्तारपूर्वक समझाते हुए संगीत के सौन्दर्यात्मक तत्वों पर प्रकाश डालिए।
2. प्राचीन काल, मध्य काल व आधुनिक काल में संगीत की स्थिति पर चर्चा कीजिए।
3. स्वर, ग्राम, मूर्च्छना व श्रुति का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
4. पाश्चात्य संगीत का परिचय देते हुए इसके स्वर, सप्तक, कार्डस, वाद्ययंत्रों व रचनाओं की सविस्तार व्याख्या कीजिए।